Approved via Resolution No 03 in the minutes of the meeting on the bos date 7/10/2022

Choice Based Credit System (CBCS)

Bharatiya Vidya Bhavan's

M. M. College of Arts, N.M. Institute of Science, H.R.J. College of Commerce. (Bhavan's College) Autonomous

(Affiliated to University of Mumbai)

Syllabus for: T.Y.B.A

Program: B.A
Program Code: BH.BA
Course Code: (BH.UA HIN.)

with effect from academic year 2023-24

PROGRAM OUTCOMES

	PO Description
PO	A student completing Bachelor's Degree in Arts program will be able to :
PO 1	विद्यार्थियों की कविता तथा कहानियों मे रूची बढ़ी।उन्होंने ने प्रतियोगिताओं मे भाग लेना आरंभ कर दिया।
PO 2	निबंध लेखन को लेकर विद्यार्थियों ने अलग अलग विषयों पर विचार प्रस्तुत किया गया
PO 3	विद्यार्थियों की बोलचाल कि भाषा मे काफी परिवर्तन आया।
PO 4	कुछ विद्यार्थियों ने हिंदी मे कविता लेखन आरम्भ कर दिया
PO 5	अनिवार्य हिन्दी मे हमेशा दो सौ से अधिक विद्यार्थी होते हैं जो विविध भाषा भाषी होतें हैं लेकिन उन्हें हिंदी रुचिकर लगती है और कई विद्यार्थी बी. एड. मे हिंदी एक विषय के रूप मे लेते हैं.
PO 6	भाषा विद्यार्थियों मे संस्कारों का निर्माण कर उनके व्यक्तित्व का निर्माण करने मे भी सहायक होती है और यह हुआ भी है
PO 7	विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों मे भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया
PO 8	हमारे कई विद्यार्थियों ने शिक्षक का पेशा अपनाय है और हमें गौरान्वित किया है
PO 9	पिछले दो सालों से हम विद्यार्थिओं को ऑनलाइन पढ़ा रहे थे अब जब हम उन्हें ऑफलाइन मैं पढ़तें हैं इस वजह से भाषा की तरफ उनका रुझान बढ़ा है

PROGRAM SPECIFIC OUTCOMES

PSO	student completing Bachelor's Degree in B.A.in the subject of HINDI will be able to:	Maping0f the POS with syllabus
PSO 1	शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ना शिक्षक ,और सांस्कृतिक कार्यक्रम काआयोजन करना	FYBA Unit 1,2,3,4
PSO 2	अनुवाद के क्षेत्र,बैंकिंग,तथा अनेक संस्थाओं मे अनुवादक के पद मे कार्यरत हो सकते है	SYBA Paper III Unit 1,2,3,4
PSO 3	भाषा वैज्ञानिक के रूप मे आलोचना के क्षेत्र से जुड़ कर पत्रकारिता करना	SYBA Paper III Unit 2,3
PSO 4	टेलीविज़न ,तथा फिल्मो मे लेखन तथा अभिनय के रूप मे जुड़ना	All sem with all units
PSO 5	रेडियो जॉकी के रूप मे कार्य करना हिंदी ऑफिसर के रूप मे अनेक सरकारी संस्था मे नौकरी	SYBA&T YBA Paper III&VI
PSO 6	नाट्य क्षेत्र ,गीत संगीत ,लेखक ,अभिनेता, नेता ,इवेंट मैनजेमेंट अनेक ऐसे क्षेत्र विद्यार्थियों के लिए हैं	All sem with all units

PROGRAM OUTLINE

YEAR	SEMESTER	COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDITS
FYBA	**I**	**BH. UA HINCOMP1C1**	हिन्दी (अनिवार्य)	**03**
FYBA	**II**	**BH. UAHIN2C1**	हिन्दी (अनिवार्य)	**03**
FYBA	**I**	**BH. UAHIN101**	हिन्दी (ऐच्छिक)	**03**
FYBA	**II**	**BH. UAHIN201**	हिन्दी (ऐच्छिक)	**03**

SYBA	**III**	**BH. UAHIN301**	हिन्दी पेपर 2	**03**
SYBA	**III**	**BH. UAHIN302**	हिन्दी पेपर 3	**03**
SYBA	**IV**	**BH. UAHIN401**	हिन्दी पेपर 2	**03**
SYBA	**IV**	**BH. UAHIN402**	प्रयोजन मूलक हिंदी 3	**03**
TYBA	**V**	**BH. UAHIN501**	हिंदी साहित्य का इतिहास	**04**
TYBA	**V**	**BH. UAHIN502**	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य	**04**
TYBA	**V**	**BH. UAHIN503**	हिंदी मे सूचना प्रौद्योगिकी।	**03**
TYBA	**VI**	**BH. UAHIN601**	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	**04**
TYBA	**VI**	**BH. UAHIN602**	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य	**04**
TYBA	**VI**	**BH. UAHIN603**	सोशल मीडिया	**03**
		TOTAL		**46**

DETAILED SYLLABUS – SEMESTER IV
History Of Hindi Literature

PREAMBLE

तृतीय वर्ष में हिंदी पढ़ने के अर्थ है भाषा विशेष मे रूचि का होना यहाँ से विद्यार्थियों में हमारी संस्कृति और परंपरा के बारे में ज्ञान बढ़ता है और वह इसमें रुचि भी देने लगते हैं महाभारत तथा रामायण जैसे महाकाव्यों के बारे में आधुनिक संदर्भों से जोड़कर उनका ज्ञान वर्धन किया जाता है जिससे आने वाली पीढ़ी समझदार और तर्क शक्ति से पूर्ण हो विद्यार्थियों की बोलचाल की भाषा में परिवर्तन आता है और इसके साथ ही साथ वह अनेक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। जिससे उनकी क्षमता में बढ़ोतरी होती है नए लेखकों तथा कवियों के बारे उनकी जानकारी बढ़ने के साथ-साथ वह अनेक लेखकों की कहानियां और उनकी जीवनी पढ़ने में रुचि दिखाते हैं। हिंदी पढ़ने वाला विद्यार्थी भाषा के माध्यम से किसी भी क्षेत्र में प्रगति कर सकता है कारण भाषा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे लोगों को किसी भी बात के लिए मनाया जा सकता है। आज अनेक क्षेत्रों में हिंदी भाषा का प्रयोग हो रहा है और और हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थी आगे बढ़ रहे हैं। भाषा के साथ साथ विद्यार्थियों को कहानियों और कविताओं के माध्यम से राजनीति ,अर्थशास्त्र, दर्शन तथा मनोविज्ञान के बारे में भी जानकारी मिलती है ।साहित्य एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा अनेक विषयों को समेटा जा सकता है। इसके अंतर्गत ज्वलंत समस्याओं को लेकर अनेक प्रकार के उदाहरण पेश किए गए और पढ़ने वाला विद्यार्थी अपनी बात बेबाकी से रख सकता है।

Programme:.B.A.				**Semester: V**	
History Of Hindi Literature PAPER IV				**Course Code: BH.UAHIN 501**	
Teaching Scheme				**Evaluation Scheme (Theory)**	
Lecture (Periods per week)	**Practical (Periods per week per batch)**	**Tutorial (Periods per week per batch)**	**Credits (Theory +Practical)**	**Continuous Internal Assessment (CIA)**	**End Semester Examination (ESE)**
04	NA	NA	04	**(Marks - 40)**	**(Marks: 60)**

Course Objective

(1) विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास का बोध कराते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास संबंधी साहित्य के विकासक्रम, प्रवृत्तियों एवं परिवेश का परिचय कराना।

(2) विद्यार्थियों को हिन्दी की आधुनिककालीन गद्य-पद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन-शैली संबंधी मूल्यों का

(3) परिचय कराना। आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराते हुए साहित्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण-चेतना को समृद्ध करना।

(4) जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में हिन्दी के प्रयोग, प्रसार से अवगत कराते हुए हिन्दी के माध्यम से रोज़गार की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष लाना।

(5) सामाजिक परिवर्तन हेतु वैचारिक प्रसार को अवगत कराते हुए विविध नव्य सामाजिक वैचारिक आंदोलनों की पृष्ठभूमि को दर्शना तथा साहित्य पर प्रभावों को अवगत कराना।

Course Outcomes:

1. विद्यार्थीयों को हिन्दी साहित्य के इतिहास की व्यापक जानकारी प्राप्त हुई,साहित्य की अविरल धारा का परिचय प्राप्त हुआ हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं का व्यापक और क्रमबद्ध ज्ञान प्राप्त हुआ ।

2 विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि हुयी , कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत हुई तथा रचनात्मक-कौशल को बढ़ावा मिला , साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड़ सकें, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ़ सकें। विद्यार्थी जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में प्रयुक्त हिन्दी-देवनागरी लिपि के अध्ययन, प्रयोग से मीडिया, कोश निर्माण आदि क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर प्राप्त कर सकें ।

3 विद्यार्थियों की बोलचाल की भाषा मे काफी परिवर्तन आया उनका विभिन्न भाषाओं की तरफ रुझान बढ़ा विद्यार्थियों ने लेखन में विभिन्न तरह से अपनी प्रतिभा को निखारा

4. काव्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का परिचय करते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ जीवन के क्षेत्र में काव्य की उपादेयता को समझा

INDEX

Unit	Description	Periods
1	हिंदी साहित्य का इतिहास- • हिंदी साहित्य का काल-विभाजन (7 L) • हिंदी साहित्य का नामकरण (5 L) (3 L for Revision)	15
2	आदिकाल- • आदिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि (7 L) • सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ(8 L)	15
3	भक्तिकाल- • भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि (6 L) • संत काव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ, कृष्णभक्ति की सामान्य विशेषताएँ(9 L)	15
4	रीतिकाल- • रीतिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि(6 L) • रीतिबध्द, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृतियाँ(9 L)	15
	निर्धारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की सूची-	

	1. हिंदी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन सर्वप्रथम किसने किया? 2. हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन का सबसे पहला प्रयास किसका था? 3. आ.रामचंद्र शुक्ल के इतिहास ग्रंथ का नाम क्या है? 4. आदिकाल को 'बीजवपन काल' किस विद्वान ने कहा है? 5. हिंदी साहित्य के प्रारम्भिक काल को 'आदिकाल' नाम किसने दिया? 6. रीतिकाल का 'श्रृंगार काल' नामकरण किसने किया है? 7. राहुल सांकृत्यायन हिंदी का पहला कवि किसे मानते हैं? 8. कवि स्वयंभू किस भाषा के कवि है? 9. किस कवि को 'मैथिल कोकिल' कहा गया है? 10. आदिकाल में खड़ीबोली को काव्य भाषा बनाने वाले प्रथम कवि कौन थे? 11. चौरासी सिध्दों में सबसे ऊँचा स्थान किसका है? 12. 'दोहाकोश' के रचयिता कौन हैं? 13. सिध्दों की भाषा को 'संधा-भाषा' किसने कहा है? 14. नाथ संप्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं? 15. नाथों की संख्या कितनी है? 16. 'हठयोग' किस संप्रदाय से संबंधित है? 17. 'उलटबासियाँ' किस साहित्य की एक प्रमुख विशेषता है? 18. जैन धर्म के प्रवर्तक कौन हैं? 19. प्रथम जैन कवि कौन है? 20. जैन साहित्य का सबसे अधिक लोकप्रिय रूप कौन से ग्रंथ माने जाते हैं? 21. 'परमाल रासो' के रचयिता कौन हैं? 22. रासो काव्य परंपरा का सर्वश्रेष्ठ एवं प्रतिनिधि ग्रंथ कौन-सा है? 23. 'भरतेश्वर बाहुबली रास' के रचनाकार कौन है? 24. 'खुमान रासो' किसकी रचना है? 25. 'युद्धों का सजीव वर्णन' किस साहित्य की एक प्रमुख विशेषता है? 26. भक्तिकाल की दो काव्यधाराएँ कौन-सी हैं? 27. जाति-पाति के बंधनो का खुलकर विरोध किसने किया? 28. 'राजतरंगिणी' में किसका इतिहास वर्णित है? 29. रत्नसेन किस महाकाव्य का नायक है? 30. भक्ति की लहर का उद्भव कहाँ से हुआ था? 31. चैतन्य सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं? 32. आलवार भक्तों की संख्या कितनी है? 33. स्वामी हरिदास किस सम्प्रदाय के प्रवर्तक थे? 34. बहुदेववाद तथा अवतारवाद का विरोध किसने किया? 35. संतों का रहस्यवाद किससे प्रभावित है? 36. सुन्दरदास किसके शिष्य थे? 37. 'मृगावती' के रचयिता कौन हैं? 38. 'ज्ञानदीप' के रचनाकार का नाम लिखिए? 39. आईने अकबरी में सूफ़ियों के कितने सम्प्रदाय का उल्लेख है? 40. पद्मावत काव्य में राघव, चेतन को किस रूप में चित्रित किया गया है? 41. रामानंद के भक्त सम्प्रदाय का क्या नाम है? 42. तुलसीदास जी के गुरु का नाम क्या है?	

43. हिन्दी साहित्य के किस काव्य में विराट समन्वय की भावना है?
44. तानसेन के गुरु का नाम क्या था?
45. पुष्टिमार्ग के प्रवर्तक कौन हैं?
46. 'हित चौरासी' रचना के रचयिता कौन हैं?
47. रीतिकाल को 'रीतिकाल' की संज्ञा किसने दी?
48. 'हित तरंगिणी' के रचयिता कौन हैं?
49. 'कविप्रिया' के रचनाकार कौन हैं?
50. रीतिकाल के अंतिम बड़े आचार्य कौन हैं?
51. आदिकाल को 'वीरगाथा काल' किस विद्वान ने कहा है?

i) आ. रामचंद्र शुक्ल ii) मिश्रबन्धु
iii) राहुल सांकृत्यायन iv) डॉ. रामकुमार वर्मा

52. गार्सा-द-तासी के हिंदी साहित्य के इतिहास की भाषा कौन-सी है?

i) फ्रेंच ii) हिंदी
iii) फ़ारसी iv) अरबी

53. आदिकाल का प्रमुख रस कौन-सा है?

i) श्रृंगार ii) वीर
iii) करुण iv) शांत

54. आदिकाल को 'वीर काल' नाम किसने दिया है?

i) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी ii) जॉर्ज ग्रियर्सन
iii) विश्वनाथप्रसाद मिश्र iv) महावीरप्रसाद द्विवेदी

55. गार्सा-द-तासी की इतिहास लेखन परंपरा को आगे बढ़ाने का श्रेय किसे जाता है?

i) शिवसिंह सेंगर ii) जॉर्ज ग्रियर्सन
iii) आ. रामचंद्र शुक्ल iv) मिश्रबन्धु

56. जैन कवि शालीभद्र सूरि को हिन्दी का प्रथम कवि किसने माना है?

i) राजनाथ शर्मा ii) गणपतिचन्द्र गुप्त
iii) आचार्य शुक्ल iv) रामकुमार वर्मा

57. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास के लेखक कौन हैं?

i) डॉ. रामकुमार वर्मा ii) डॉ. नगेन्द्र
iii) डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त iv) शिवकुमार शर्मा

58. 'हिंदी साहित्य की भूमिका' पुस्तक के लेखक कौन है?

i) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी ii) बच्चन सिंह
iii) राहुल सांकृत्यायन iv) मिश्रबन्धु

59. 'खालिकबारी' के रचयिता कौन हैं?

i) अमीर खुसरो ii) मुल्ला दाऊद
iii) चंदबरदाई iv) जगनिक

60. सिध्दों की संख्या कितनी मानी जाती है?

i) 80 ii) 82
iii) 84 iv) 89

61. नाथ पंथ के प्रवर्तक कौन हैं?

i) गोरखनाथ ii) मत्स्येन्द्रनाथ
iii) नागनाथ iv) आदिनाथ

62. कौन-सी शैली जैन रचनाओं की नहीं है?
i) रास ii) फागु
iii) चर्यापद iv) चरित
63. 'बिसलदेव रासो' के रचयिता कौन हैं?
i) नरपति नाल्ह ii) दलपति विजय
iii) हमीर हठ iv) चंदबरदाई
64. खुसरो की पहेलियों और मुकरियों की विशेषता क्या है?
i) श्रुंगार ii) परिहास
iii) उक्तिवैभिन्य iv) उक्तिवैचित्र्य
65. भक्ति आंदोलन मुस्लिम साम्राज्य के प्रभाव का परिणाम है।" इस मत को नहीं मानने वाले विद्वान कौन है?
i) ताराचन्द ii) आ. रामचन्द्र शुक्ल
iii) रामस्वरूप चतुर्वेदी iv) वल्लभाचार्य
66. उत्तरी भारत में भक्ति आंदोलन की त्रिमूर्ति कौन थे?
i) कबीर, नानक, दादू ii) कबीर, नानक , रैदास
iii) कबीर, रामानंद, रैदास iv) कबीर, रामानंद, शंकराचार्य
67. 'बीजक' किसकी प्रसिद्ध रचना है?
i) सूरदास ii) कबीर
iii) जायसी iv) दयाल
68. "संतन को कहा सीकरी सो काज" किसकी पंक्ति है?
i) कुंभनदास ii) नाभादास
iii) चतुर्भुजदास iv) तुलसीदास
69. नानक किस काव्यधारा के कवि हैं?
i) सूफ़ी काव्य ii) राम काव्य
iii) संत काव्य iv) कृष्ण काव्य
70. "मानुष प्रेम भयउ बैकुंठी" किस कवि की पंक्ति है?
i) दादू दयाल ii) मुल्ला दाउद
iii) कुतुबन iv) जायसी
71. 'भ्रमरगीत' के रचयिता कौन हैं?
i) तुलसीदास ii) बिहारी
iii) सूरदास iv) कबीरदास
72. सैयद इब्राहिम ने कृष्णभक्ति के प्रभाववश अपना नाम रख लिया?
i) कृष्णदास ii) रामदास
iii) रसखान iv) प्रेमदास
73. 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किस कवि को कहा गया है?
i) कबीरदास ii) तुलसीदास
iii) केशवदास iv) सूरदास
74. अकबर दरबार के किस सदस्य ने 'दोहावली' की रचना की?
i) बीरबल ii) रहीम
iii) तानसेन iv) बिहारी
75. नामदेव द्वारा लिखित सगुण पदों की भाषा क्या थी?
i) मराठी ii) अवधी

iii) ब्रजभाषा iv) संस्कृत

76. द्वैताद्वैतवाद दर्शन को मानने वाले आचार्य इनमें से कौन हैं?

i) रामानंद ii) मध्वाचार्य

iii) चैतन्य महाप्रभु iv) रामानुजाचार्य

77. निर्गुण भक्ति साहित्य को ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी भागों में विभाजित करने वाले विद्वान कौन हैं?

i) डॉ. रामकुमार वर्मा ii) आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

iii) नामवर सिंह iv) आ. रामचंद्र शुक्ल

78. प्रेमाश्रयी शाखा को सूफ़ी काव्य कहने वाले विद्वान निम्नलिखित में से कौन है?

i) डॉ. रामकुमार वर्मा ii) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) आ. रामचंद्र शुक्ल iv) डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

79. वल्लभाचार्य ने किसकी उपासना पर बल दिया है?

i) श्रीराम ii) गणेश

iii) बालकृष्ण iv) विष्णु

80. वारकरी सम्प्रदाय की स्थापना किसने की?

i) नामदेव ii) कबीर

iii) संत ज्ञानेश्वर iv) सुंदरदास

81. 'चित्रावली' के रचयिता कौन हैं?

i) कुतुबन ii) जायसी

iii) उसमान iv) शेख नबी

82. 'महानुभाव सम्प्रदाय' की स्थापना किसने की है?

i) रामानंद ii) तुलसीदास

iii) श्रीचक्रधर स्वामी iv) स्वामी हरिदास

83. नाभदास की भक्तमाला में रामानंद के कितने शिष्य बताए गए हैं?

i) दस ii) बारह

iii) चौदह iv) सोलह

84. 'राधावल्लभ सम्प्रदाय' के प्रवर्तक कौन है?

i) स्वामी हरिदास ii) हितहरिवंश

iii) सूरदास iv) वल्लभाचार्य

85. किस काल को ब्रजभाषा का स्वर्ण युग कहा जाता है?

i) आदिकाल ii) भक्तिकाल

iii) रीतिकाल iv) आधुनिक काल

86. रीतिकाल को 'अलंकृतकाल' किसने कहा है?

i) डॉ. रामकुमार वर्मा ii) आ. रामचंद्र शुक्ल

iii) आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी iv) मिश्रबंधु

87. 'रसमंजरी' के रचयिता कौन हैं?

i) चिंतामणि ii) केशव

iii) भिखारीदास iv) मतिराम

88. आचार्य शुक्ल ने रीतिकाल का प्रवर्तक किसे माना है?

i) आचार्य चिंतामणि ii) कवि ग्वाल

iii) केशव iv) कृपाराम

89. 'रसराज' के रचयिता कौन है?
i) घनानंद ii) मतिराम
iii) बोधा iv) ठाकुर
90. घनानंद को अमर करने वाली रचना का नाम क्या है?
i) रसराज ii) सुजान हित
iii) कविप्रिया iv) ललित ललाम
91. रीतिमुक्त काव्यधारा का अंतिम कवि किसे माना जाता है?
i) चिंतामणि ii) द्विजदेव
iii) भूषण iv) केशव
92. 'ललित ललाम' किसकी रचना है?
i) घनानंद ii) मतिराम
iii) बोधा iv) आलम
93. 'साहित्य लहरी' में किसकी लीला का वर्णन है?
i) बालकृष्ण ii) राधा-कृष्ण
iii) कृष्ण iv) राम-सीता
94. "मैं तो समझती थी की वृन्दावन में कृष्ण के अतिरिक्त कोई दूसरा पुरुष है ही नहीं, पर अब पता चला यहाँ कोई दूसरा पुरुष भी रहता है।" यह वाक्य किसने कहा है?
i) राधा ii) रुक्मिणी
iii) मीरा iv) यशोदा
95. "निर्गुण कौन देस को बासी?" किसकी पंक्ति है?
i) सूरदास ii) कबीरदास
iii) तुलसीदास iv) मीराबाई
96. "बिगरी बात बने नहीं, लाख करो किन कोय।" पंक्ति के कवि कौन है?
i) बिहारी ii) रहीम
iii) आलम iv) मतिराम
97. रीतिमुक्त काव्य धारा के प्रमुख कवि इनमें से कौन है?
i) बिहारी ii) देव
iii) घनानंद iv) पद्माकर
98. 'रामचंद्रिका' के रचयिता का नाम क्या है?
i) तुलसीदास ii) भिखारीदास
iii) नाभादास iv) केशवदास
99. पद्माकर इनमें से किस काव्यधारा के कवि है?
i) रीतिबद्ध ii) रीतिसिद्ध
iii) रीतिमुक्त iv) सूफ़ी
100. स्वच्छंद प्रेम के गायक कौन हैं?
i) वृंद ii) आलम
iii) देव iv) मतिराम

Self study topics : संत कवियों के दोहों का अध्ययन एवं कुछ छात्र स्वयं कविताएं लिख सकते हैं, कविता का पठन कर सकते हैं ,वस्तुनिष्ठ प्रश्न तैयार कर सकते हैं, रचनात्मक कार्य कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ.नगेंद्र (संपादक), मयूर पेपरबैक, नई दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर प्रकाशन, आगरा।
5. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ डॉ. - शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ.रामकुमार वर्मा,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर।

DETAILED SYLLABUS – SEMESTER V
Post Independence Hindi Literature
PREAMBLE

तृतीय वर्ष में हिंदी पढ़ने के अर्थ है भाषा विशेष मे रूचि का होना यहाँ से विद्यार्थियों में हमारी संस्कृति और परंपरा के बारे में ज्ञान बढ़ता है और वह इसमें रुचि भी देने लगते हैं महाभारत तथा रामायण जैसे महाकाव्यों के बारे में आधुनिक संदर्भों से जोड़कर उनका ज्ञान वर्धन किया जाता है जिससे आने वाली पीढ़ी समझदार और तर्क शक्ति से पूर्ण हो विद्यार्थियों की बोलचाल की भाषा में परिवर्तन आता है और इसके साथ ही साथ वह अनेक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। जिससे उनकी क्षमता में बढ़ोतरी होती है नए लेखकों तथा कवियों के बारे उनकी जानकारी बढ़ने के साथ-साथ वह अनेक लेखकों की कहानियां और उनकी जीवनी पढ़ने में रुचि दिखाते हैं। हिंदी पढ़ने वाला विद्यार्थी भाषा के माध्यम से किसी भी क्षेत्र में प्रगति कर सकता है कारण भाषा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे लोगों को किसी भी बात के लिए मनाया जा सकता है। आज अनेक क्षेत्रों में हिंदी भाषा का प्रयोग हो रहा है और और हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थी आगे बढ़ रहे हैं। भाषा के साथ साथ विद्यार्थियों को कहानियों और कविताओं के माध्यम से राजनीति ,अर्थशास्त्र, दर्शन तथा मनोविज्ञान के बारे में भी जानकारी मिलती है ।साहित्य एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा अनेक विषयों को समेटा जा सकता है। इसके अंतर्गत ज्वलंत समस्याओं को लेकर अनेक प्रकार के उदाहरण पेश किए गए और पढ़ने वाला विद्यार्थी अपनी बात बेबाकी से रख सकता है।

Programme:.B.A.				**Semester: V**	
PAPER V Post Independence Hindi Literature				**Course Code: BH.UAHIN 502**	
Teaching Scheme				**Evaluation Scheme (Theory)**	
Lecture (Periods per week)	**Practical (Periods per week per batch)**	**Tutorial (Periods per week per batch)**	**Credits (Theory +Practical)**	**Continuous Internal Assessment (CIA)**	**End Semester Examination (ESE)**
04	NA	NA	04	**(Marks - 40)**	**(Marks: 60)**

Pre-requisites: Laptop, LCD projector/ OHP, Online GMeet, Google forms, Google classroom, YouTube Videos, PPT, Google Jamboard / Notepad/ Blackboard

Course Objective 1. विद्यार्थियों को गद्य की नाटक और एकांकी विधा का परिचय करा देना, प्रसिद्ध, प्रचलित नाटक की रचनाओं एवं समकालीन परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए सामाजिक, मानवीय, संस्कृतिक और नवीनतम आधुनिक जीवन शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना। शंकर शेष लिखित एक और द्रोणाचार्य नाटक द्वारा पौराणिक कथा के माध्यम से आधुनिक समस्या का हल दुन्दने का प्रयास कैसे किया है इस से छात्रों को परिचित कराना नाटककारने कैसे वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार, पक्षपात, राजनीतिक घुसपैठ तथा आर्थिक एवं सामाजिक दबाव के चलते निम्न वर्गीय व्यक्ति के असाध्य बेबस चरित्र को उद्घाटित किया है इसका परिचय देना

2. हिंदी गद्य के प्रारम्भिक काल में प्रस्फुटित नाटक विधा रचनाओं से लेकर अद्यतन प्रवृत्तियों एवं नाटक एवं एकांकी विधा का अर्थ,विकास,परिभाषा से अवगत करना,नाटकों के तत्वोंपर प्रकाश डालना , नाटक के सामाजिक, मानवीय संतुलन-असंतुलन को दर्शाते हुए सकारात्मक पक्षों को बल देना एवं समूहिक नैतिकता को समृद्ध करना।

3. नाट्य विधा के द्वारा विद्यार्थियों का रंगमंच संवाद लेखन और निर्देशन से परिचय होता है जो भविष्य में विद्यार्थियों के सहायता प्रदान करता है शंकर शेष का एक और द्रोणाचार्य नाटक महत्वपूर्ण नाटकों में से एक है ।

Course Outcomes

1. विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, संस्कृतिक और राजनीतिक मूल्यों का गुणात्मक विकास होगा।
2. विद्यार्थियों में राष्ट्र-निर्माण हेतु नये सामाजिक, राजनीतिक, संस्कृतिक विचारों का प्रसार होगा और दायित्व-बोध निर्वहन का विकास होगा।
3. विद्यार्थियों में नये वैश्विक मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं मूल्यवादी दृष्टि के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।
4. विद्यार्थियों में साहित्य-रसास्वादन के साथ कलात्मक अभिरुचि का निर्माण होगा, रचनात्मक-कौशल को बढ़ावा मिलेगा

INDEX

Unit	Description	Periods
1	• नाटक : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास (7L) • नाटक के तत्व एवं प्रकार (7 L) for revision 1 L	15
2	• एकांकी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, एवं विकास(7L) • नाटक और एकांकी में साम्य-वैषम्य (8L)	15
3	निर्धारित पाठ्य पुस्तक-	

	• एक और द्रोणाचार्य -(नाटक) : लेखक- शंकर शेष प्रकाशक:परमेश्वरी प्रकाशन ,दिल्ली	15
4	|निर्धारित पाठ्य पुस्तक- • एकांकी-सुमन (एकांकी-संग्रह) संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, प्रकाशन, नई दिल्ली। *पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित एकांकियाँ-* • दीपदान - रामकुमार वर्मा(3L) • सूखी साली - उपेन्द्रनाथ 'अश्क' (2L) • जान से प्यारे - ममता कालिया(2L) • अन्वेषक - प्रताप सहगल (2L) • रात के राही - ब्रज भूषण (2L) • बहू की विदा - विनोद रस्तोगी(2L) • नो एडमिशन - संजीव निगम (2L)	**15**

Text books

1. • नाटक : एक और द्रोणाचार्य - लेखक- शंकर शेष ।

   प्रकाशन : प्रकाशक:परमेश्वरी प्रकाशन ,दिल्ली

2. • एकांकी-सुमन (एकांकी-संग्रह) संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई

   विश्वविद्यालय, मुंबई

Reference Books: सन्दर्भ ग्रन्थ सूचि

1. हिंदी नाटक के पांच दशक - कुसुम खेमानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2015
2. हिंदी नाटक कल और आज - केदार सिंह, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, दिल्ली, 2005
3. आधुनिक हिंदी नाटक - गिरीश रस्तोगी, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर, 1968
4. हिंदी नाटक और रंगमंच:नई दिशाएं, नए प्रश्न, - गिरीश रस्तोगी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श - जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2015
6. हिंदी नाटककार - जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1961
7. नाट्य निबंध - दशरथ ओझा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1972
8. हिंदी नाटक बदलते आयाम - नरेंद्रनाथ त्रिपाठी, विक्रम प्रकाशन, दिल्ली, 1987
9. आधुनिक हिंदी नाटककारों के नाटक सिद्धांत - निर्मला हेमंत, अक्षर प्रकाशन प्रा. लि., दिल्ली।
10. रंगदर्शन - नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1982
11. हिंदी नाटक - बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाश, दिल्ली, 2008
12. आधुनिक हिंदी नाटक - बनवीर प्रसाद शर्मा, अनग प्रकाशन, दिल्ली, 2001
13. नाटक : विवेचना और दृष्टि - डॉ. मोहसिन ख़ान - अमन प्रकाशन, कानपुर 2021

DETAILED SYLLABUS – SEMESTER V
Information technology in Hindi
PREAMBLE

तृतीय वर्ष कला के पेपर VI सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से विद्यार्थियों को जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में हिन्दी के प्रयोग, प्रसार से अवगत कराते हुए हिन्दी के माध्यम से रोज़गार की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष लाना।विद्यार्थी जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में प्रयुक्त हिन्दी-देवनागरी लिपि के अध्ययन, प्रयोग से मीडिया, कोश निर्माण आदि क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे भविष्य में विद्यार्थी सरकारी संस्थाओं में कार्य करेंगे उसके लिए उपयोगी सिद्ध होता है| सरकारी संस्थानों में पत्र व्यवहार तथा अनुवाद कार्य के लिए यह प्रश्न पत्र उपयोगी सिद्ध होगा और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में सहायता मिलेगी हिंदी मे रोजगार की ओर उन्मुख करने वाला पेपर है |

<table>
<tr><td colspan="4">Programme:.B.A.</td><td colspan="2">Semester: V</td></tr>
<tr><td colspan="4">Paper VI</td><td colspan="2">Course Code: BH.UAHIN 503</td></tr>
<tr><td colspan="4">Teaching Scheme</td><td colspan="2">Evaluation Scheme (Theory)</td></tr>
<tr><td>Lecture (Periods per week)</td><td>Practical (Periods per week per batch)</td><td>Tutorial (Periods per week per batch)</td><td>Credits (Theory +Practical)</td><td>Continuous Internal Assessment (CIA)</td><td>End Semester Examination (ESE)</td></tr>
<tr><td>03</td><td>NA</td><td>NA</td><td>03</td><td>(Marks - 40)</td><td>(Marks: 60)</td></tr>
<tr><td colspan="6">Course Objective:
1 विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी में प्रयुक्त हिंदी भाषा की जानकारी देते हुए कार्यालयीन तथा अन्य व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी सूचना प्रौद्योगिकी में रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए हिंदीभाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करते हुए तकनीकी तौर पर लेखन कौशल का विकास कराना।
2. विद्यार्थियों को हिंदी तकनिकी क्षेत्र से परिचित कराना हिंदी फोंट ,सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट का परिचय कराना।
3. विद्यार्थियों को व्यावसायिकरूप से सूचना प्रौद्योगिकी के 6 शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगिता से अवगत करवाना।
4. विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के प्रचार और प्रसार में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका से परिचित कराना।
5. विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा की जानकारी से अवगत कराना।
6. विद्यार्थियों को जनसंचारके ई- माध्यमों के विकास से परिचिय करवाना।</td></tr>
</table>

Course Outcomes::--

1 विद्यार्थियों को व्यावहारिक हिन्दी भाषा-दक्षता ,सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी के प्रयोग की प्रवीणता की प्राप्ति होगी विद्यार्थियों का व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भरता के योग्य बनाना। विद्यार्थियों का जनसंचार माध्यमों में रोज़गार के अवसर, क्षेत्रों से अवगत होंगे।

INDEX

Unit		Description	Periods
1		• सूचना प्रौद्योगिकी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और विकास (4L) • सूचना प्रौद्योगिकी : उपयोगिता और महत्व (3L) • सूचना प्रौद्योगिकी समस्याएँ, सीमाएँ और चुनौतियाँ(3L)	10
2		• सूचना प्रौद्योगिकी का व्यवहार क्षेत्र : सामान्य परिचय (3L) • सूचना प्रौद्योगिकी का जनसंचार के क्षेत्र में योगदान और महत्व (5L) (हिन्दी पत्रकारिता प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संदर्भ में) • सूचना प्रौद्योगिकी : शिक्षा के क्षेत्र में योगदान और उपादेयता(2L)	10
3		• सूचना प्रौद्योगिकी हिन्दी भाषा, देवनागरी लिपि का वैश्विक प्रसार और प्रयोग(4L) • सूचना प्रौद्योगिकी : हिन्दी सॉफ़्टवेयर परिचय, विकास यात्रा और महत्व(3L) • हिन्दी में फॉण्ट, यूनिकोड फॉण्ट परिचय, विकास यात्रा और महत्व(3L)	10
4		इन्टरनेट : हिन्दी में ईमेल, नेट पर हिन्दी विज्ञापन, हिन्दी की साहित्यिक ई-पत्रिकाएँ, हिन्दी ब्लॉग(4L) • सूचना प्रौद्योगिकी और भारत में डिजिटलाइज़ेशन का विकास, कठिनाइयाँ, उपयोगिता और महत्व(3L) • हिन्दी में सूचना प्रौद्योगिकी : विविध क्षेत्रों में रोज़गार की संभावनाएँ (3L) **प्रकल्प लेखन एवं प्रस्तुतीकरण :** 1. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी - हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली। 2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली। 3. कंप्यूटर और हिन्दी - हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली। 4. पत्रकारिता से मीडिया तक - मनोज कुमार, वैभव प्रकाशन, रायपुर 5. जनसंचार परिदृश्य - डॉ. नीलम राठी, रजनी राठी, उत्कर्ष प्रकाशन, दिल्ली। 6. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. पी. लता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	10 5

		7. प्रयोजनमूलक हिन्दी - रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली। 8. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली। 9. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली। 10. वर्चुअल रियलिटी और इन्टरनेट - जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली। 11. मीडिया भूमंडलीकरण और समाज - संपादक : संजय द्विवेदी,	
Self study topics छात्र कहानी लेखन ,समाचार लेखन और विज्ञापन लेखन का स्वयं प्रयास कर सकते हैं			

Modality of Assessment For sem V
Paper IV,V,VI

Theory Examination Pattern:

A) Internal Assessment- 40%- 40 Marks

Sr No	Evaluation type	Marks
1	Internal Class Test with Objective type questions	20
	and Short Notes	
2	One Assignment	20
	TOTAL	**40**

Assignment types can include: For Paper IV,V,VI (SEM V&VI)

1 रचनात्मक लेखन
2 जीवन संघर्ष के कारण जीवन मे आया परिवर्तन
3 पर्यावरण के प्रति हमारी नैतिक ज़िम्मेदारी
4 महामारी का जीवन और मानसिक प्रभाव
5 व्यंग्य लेखन
6 काव्य लेखन
7 पुस्तक समीक्षा

8 कहानी लेखन

9 जीवन में घटी किसी घटना का वर्णन अपने शब्दों मे कीजिए

11 कवि तथा उनकी कविता का लेखन

12 हिंदी की कविताओं का अंग्रेजी मे अनुवाद

13 हिंदी के किसी भी खंड काव्य को पढ़ कर उसकी समीक्षा

14 पर्यावरण से सम्बन्धित कविताओं पर चर्चा

15 भारत की राजभाषा हिंदी।

16 रोजगार की भाषा के रूप में हिंदी।

17 साहित्यिक हिंदी का विकास।

18 प्रयोजनमूलक हिंदी का कार्य विस्तार।

19 विश्व पटल पर हिंदी/ हिंदी का वैश्विक प्रचार और प्रसार

20 विदेशों में हिंदी की पहल।

21 शिक्षा क्षेत्र में अनुवाद की महत्ता

22 हिंदी साहित्य में अनुवाद की भूमिका

23 अपनी मातृभाषा या अंग्रेजी की दो कहानियों का हिंदी में अनुवाद।

24 किसी भी दूसरी भाषा से हिंदी में रूपांतरित दो फिल्मों की समीक्षा ।

25 आधुनिक युग में खेल पत्रकारिता का महत्व -(ओलंपिक खेलों का संदर्भ)

26 महिला पत्रकारिता की उपयोगिता -कुछ महिला पत्रिकाओं का उदाहरण सहेली मनोरमा आदि।

27 आज की इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता और युवा वर्ग।

28 आज के दौर में रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता की भूमिका।

29 क्या आज की पत्रकारिता व्यवसायिक बनती जा रही है?

30 अंग्रेजी यहां किसी भी अन्य भाषा की दो कविताओं का हिंदी में अनुवाद और भावार्थ।

B) External Examination- 60%- 60 Marks
Semester End Theory Examination: 60 marks

1. Duration - These examinations shall be of **2 hours** duration.
2. Paper Pattern:

There shall be **5** questions each of **12** marks. On each unit there will be 1 or 2 questions.All questions shall be compulsory with internal choice within some questions.

Paper Pattern:

Question	Options	Marks	Based on Unit no.
Que 1	Any 1 Out Of 2	12	Unit 1
Que 2	Any 1 Out Of 2	12	Unit 2
Que 3	Any 1 Out Of 2	12	Unit 3
Que 4	Any 1 Out Of 2	12	Unit 4
Que 5	Any 2 Out Of 4	12	Unit 1,2,3,4
Total		60	

Rubric for Project Work CIA 2

कवि तथा लेखक का परिचय	भाषा शैली	रचनात्मक कृति का चुनाव	प्रस्तुतीकरण
05 अंक	05 अंक	05 अंक	05 अंक =20

Rubric for ESE

कवि तथा लेखक का परिचय	भाषा शैली	भावार्थ तथा लेखन	कुल
03 अंक	03 अंक	06 अंक	12 अंक

DETAILED SYLLABUS – SEMESTER VI
History Of Modern Hindi Literature

PREAMBLE

तृतीय वर्ष में हिंदी पढ़ने के अर्थ है भाषा विशेष मे रूचि का होना यहाँ से विद्यार्थियों में हमारी संस्कृति और परंपरा के बारे में ज्ञान बढ़ता है और वह इसमें रुचि भी देने लगते हैं महाभारत तथा रामायण जैसे महाकाव्यों के बारे में आधुनिक संदर्भों से जोड़कर उनका ज्ञान वर्धन किया जाता है जिससे आने वाली पीढ़ी समझदार और तर्क शक्ति से पूर्ण हो विद्यार्थियों की बोलचाल की भाषा में परिवर्तन आता है और इसके साथ ही साथ वह अनेक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। जिससे उनकी क्षमता में बढ़ोतरी होती है नए लेखकों तथा कवियों के बारे उनकी जानकारी बढ़ने के साथ-साथ वह अनेक लेखकों की कहानियां और उनकी जीवनी पढ़ने में रुचि दिखाते हैं। हिंदी पढ़ने वाला विद्यार्थी भाषा के माध्यम से किसी भी क्षेत्र में प्रगति कर सकता है कारण भाषा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे लोगों को किसी भी बात के लिए मनाया जा सकता है। आज अनेक क्षेत्रों में हिंदी भाषा का प्रयोग हो रहा है और और हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थी आगे बढ़ रहे हैं। भाषा के साथ साथ विद्यार्थियों को कहानियों और कविताओं के माध्यम से राजनीति ,अर्थशास्त्र, दर्शन तथा मनोविज्ञान के बारे में भी जानकारी मिलती है ।साहित्य एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा अनेक विषयों को समेटा जा सकता है। इसके अंतर्गत ज्वलंत समस्याओं को लेकर अनेक प्रकार के उदाहरण पेश किए गए और पढ़ने वाला विद्यार्थी अपनी बात बेबाकी से रख सकता है।

Programme:.B.A.				**Semester: VI**	
PAPER IV History Of Modern Hindi Literature				**Course Code: BH.UAHIN601**	
Teaching Scheme				**Evaluation Scheme (Theory)**	
Lecture (Periods per week)	**Practical (Periods per week per batch)**	**Tutorial (Periods per week per batch)**	**Credits (Theory +Practical)**	**Continuous Internal Assessment (CIA)**	**End Semester Examination (ESE)**
04	NA	NA	04	**(Marks - 40)**	**(Marks: 60)**

Course Objective

1) विद्यार्थियों को हिन्दी की आधुनिक कालीन गद्य-पद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करना

2) दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन-शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना। आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराना

3) साहित्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण-चेतना को समृद्ध करना।

4. काव्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का परिचय करते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ जीवन के क्षेत्र में काव्य की उपादेयता को समझा ।

COURSE OUTCOMES 1) विद्यार्थीयों को हिन्दी साहित्य के इतिहास की व्यापक जानकारी प्राप्त हुई, साहित्य की अविरल धारा का परिचय प्राप्त हुआ हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं का व्यापक और क्रमबद्ध ज्ञान प्राप्त हुआ

२. विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि हुयी , कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत हुई तथा रचनात्मक-कौशल को बढ़ावा मिला , साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड़ सकें, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ़ सकें।

३. काव्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का परिचय करते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ जीवन के क्षेत्र में काव्य की उपादेयता को समझा ।

INDEX

Unit	Description	Periods
1	आधुनिक हिंदी कविता का विकास- • आधुनिक काल - हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि एवं प्रवृतियों का सामान्य परिचय(4L) • भारतेन्दु युग (3L) • द्विवेदी युग (4L) • छायावाद (4L)	15
2	• प्रगतिवाद (4L) • प्रयोगवाद (4L) • नई कविता (4L) • समकालीन कविता(3L)	15
3	आधुनिक हिंदी साहित्य की गद्य विधाओं का विकास-(3L) • उपन्यास (4L) • कहानी (4L) • आलोचना(4L)	15
4	• आत्मकथा (5L) • जीवनी (5L) • संस्मरण(5L) **निर्धारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की सूची-** 1. 'कविवचन सुधा' मासिक पत्रिका के संपादक कौन थे? 2. भारतेन्दु युग को 'पुनर्जागरण काल' की संज्ञा किसने दी है? 3. "पपीहा जब पूछिहे पीव कहाँ" काव्य पंक्ति किस कवि की है?	**15**

	4. 'सुकवि' की उपाधि भारतेन्दु युग के किस कवि को प्राप्त हुई थी? 5. सन् 1903 में 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक कौन बने? 6. 'यशोधरा' प्रबंध काव्य के रचनाकार कौन है? 7. आधुनिक काल में लिखा गया खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य कौन-सा है? 8. 'पुष्प की अभिलाषा' कविता के कवि कौन हैं? 9. 'कामायनी' में किस दर्शन की अभिव्यक्ति हुई है? 10. 'आधुनिक काल की मीरा' किसे कहा जाता है? 11. 'प्रकृति के सुकुमार कवि' किसे कहा गया है? 12. 'जूही की कली' कविता के रचनाकार कौन हैं? 13. 'मधुशाला' किसकी काव्य कृति है? 14. 'भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ' के लखनऊ में सम्पन्न पहले अधिवेशन के अध्यक्ष कौन थे? 15. 'क्रांति की भावना' किस कविता की एक प्रमुख विशेषता है? 16. 'प्रेत का बयान' किसकी कविता है? 17. 'आज देश की मिट्टी बोल उठी है' किस कवि की रचना है? 18. 'हरी घास पर क्षण भर' कविता के रचनाकार कौन है? 19. 'अँधेरे में' लंबी कविता किसने लिखी है? 20. 'संसद से सड़क तक' काव्य संग्रह किस कवि ने लिखा है? 21. हिंदी का प्रतिनिधि ग़ज़लकार किसे माना जाता है? 22. 'छन्दशती' के रचयिता कौन है? 23. 'मछलीघर' किसकी कृति है? 24. 'अपनी केवल धार' काव्य-संग्रह किसका है? 25. ' बाघ' कविता किस कवि ने लिखी है? 26. भारतेन्दु के नाटक 'प्रेम जोगनी' में किस प्रकार की समस्या है? 27. प्रसाद जी के नाटकों को दुखांत या सुखांत न कहकर क्या कहा गया? 28. हिंदी का प्रथम गीतिनाटक कौन-सा है? 29. 'स्वर्ग की झलक' नाटक के रचनाकार कौन हैं? 30. 'डॉक्टर' नाटक के लेखक कौन हैं? 31. 'बिना दीवारों का घर' नाटक के रचयिता कौन हैं? 32. गोपालराम गहमरी जी ने अधिकतर किस प्रकार के उपन्यास लिखे? 33. गहमरी के जासूसी उपन्यासों का आधार कौन-से उपन्यास थे? 34. 'आखिरी दाँव' उपन्यास के लेखक कौन हैं? 35. 'अपने अपने अजनबी' उपन्यास पर किस दर्शन का प्रभाव है? 36. 'सोया हुआ जल' उपन्यास के लेखक कौन हैं? 37. शैलेश मटियानी के 'छोटे-छोटे पक्षी' उपन्यास मे किस महानगर का चित्रण है? 38. 'साँप और सीढ़ी' उपन्यास के लेखक कौन हैं? 39. सुरेंद्र तिवारी की 'वार्ड न. २' कहानी में किसका वर्णन है? 40. 'काला शुक्रवार' कहानी की लेखिका कौन हैं? 41. 'कवि और कविता' के निबंधकार कौन हैं? 42. 'मेरा चौदहवा जन्म दिवस' किस प्रकार का निबंध हैं? 43. 'अर्ध नारीश्वर' निबंध संग्रह के लेखक कौन हैं?	

44. नंददुलारे वाजपेयी जी के निबंध अधिकतर किस प्रकार के हैं?
45. हिंदी साहित्य मे किसे आलोचना सम्राट कहा जाता है?
46. आलोचना के क्षेत्र मे शुक्ल संस्थान के प्रथम मुख्य स्तंभ कौन हैं?
47. संस्मरण और रेखाचित्र की विधा को समृद्ध बनाने में किसका महत्वपूर्ण योगदान है?
48. पंत की जीवनी की रचनाकर हैं?
49. हिंदी की प्रथम आत्मकथा 'अर्द्धकथा' किसकी है?
50. हिंदी साहित्यकारों मे सर्वप्रथम किसने अपनी आत्मकथा लिखी?
51. आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रवर्तक किसे माना जाता है?

i) प्रतापनारायण मिश्र ii) भारतेन्दु
iii) प्रेमघन iv) बालकृष्ण भट्ट

52. समस्यापूर्ति परक काव्य रचना किस युग की विशेषता है?

i) व्दिवेदी युग ii) छायावाद
iii) भारतेन्दु युग iv) प्रगतिवाद

53. भारतेन्दु युग की एक निम्नलिखित विशेषता कौन-सी है?

i) देशभक्ति और राजभक्ति ii) आदर्शवाद
iii) इतिवृत्तात्मकता iv) वैयक्तिकता

54. 'साकेत' किसके जीवन पर आधारित है?

i) सीता ii) उर्मिला
iii) अहल्या iv) रूमा

55. 'जागरण या सुधार काल' नाम से किस युग को जाना जाता है?

i) भारतेन्दु ii) व्दिवेदी
iii) प्रयोगवाद iv) प्रगतिवाद

56. निम्नलिखित में से कौन द्विवेदी युग के कवि है?

i) जयशंकर प्रसाद ii) अज्ञेय
iii) मैथिलीशरण गुप्त iv) निराला

57. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना हरिऔध की है?

i) प्रिय प्रवास ii) साकेत
iii) लहर iv) उर्वशी

58. इनमें से कौन- सा कवि छायावादी है?

i) अज्ञेय ii) मुक्तिबोध
iii) धूमिल iv) जयशंकर प्रसाद

59. 'सरोज स्मृति' किसकी रचना है?

i) प्रसाद ii) निराला
iii) सुमित्रानंदन पंत iv) महादेवी वर्मा

60. 'मैं नीर भरी दुख की बदली' किसकी उक्ति है?

i) सुमित्रानंदन पंत ii) महादेवी वर्मा
iii) दिनकर iv) निराला

61. 'कामायनी' महाकाव्य किसने लिखा है?

i) नागार्जुन ii) जयशंकर प्रसाद
iii) नरेंद्र शर्मा iv) त्रिलोचन

62. निम्नलिखित में से छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषता कौन-सी है?

i) वैयक्तिकता ii) क्रांति का आह्वान
iii) क्षणवाद iv) शिल्प की नवीनता

63. प्रगतिवाद किस दर्शन से प्रभावित है?
i) अस्तित्ववाद ii) गाँधीवाद
iii) छायावाद iv) मार्क्सवाद

64. 'मूल्य-वृद्धि का सिद्धांत' किस विचारक का है?
i) रुसो ii) टॉलस्टॉय
iii) कार्ल मार्क्स iv) अरस्तू

65) इनमें से प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषता क्या है?
i) व्यक्तिवाद ii) शोषकों प्रति घृणा
iii) सौंदर्य भावना iv) रहस्यवाद

66. निम्नलिखित में से कौन प्रगतिवादी कवि है?
i) महादेवी वर्मा ii) अज्ञेय
iii) दिनकर iv) हरिवंशराय बच्चन

67. 'कुकुरमुत्ता' कविता किस कवि की है?
i) नागार्जुन ii) श्रीकांत वर्मा
iii) मुक्तिबोध iv) निराला

68. प्रयोगवाद के प्रवर्तक कवि कौन है? Ko
i) अज्ञेय ii) धूमिल
iii) रांगेय राघव iv) नरेश मेहता

69. प्रयोगवादी काव्यधारा का प्रारंभ किस पुस्तक के प्रकाशन से माना जाता है?
i) तार सप्तक ii) दूसरा सप्तक
iii) तीसरा सप्तक iv) चौथा सप्तक

70. प्रयोगवादी कविता कि निम्नलिखित कौन-सी प्रमुख विशेषता है?
i) लघु मानव ii) शिल्प की नवीनता
iii) नगर बोध iv) ग्राम बोध

71. निम्नलिखित में से कौन नई कविता का कवि हैं?
i) लक्ष्मीकांत वर्मा ii) नीरज
iii) देवेंद्र शर्मा iv) अंचल

72. 'लघु मानव बोध' यह किस कविता की विशेषता है?
i) छायावाद ii) नवगीत
iii) प्रगतिवाद iv) नई कविता

73. निम्नलिखित में से कौन-सी कविता मुक्तिबोध की है?
i) नदी के द्वीप ii) अंधेरे में
iii) जुही की कली iv) साँप

74. 'संसद से सड़क तक' किसका काव्य संग्रह है?
i) अज्ञेय ii) शमशेर
iii) शिवमंगलसिंह सुमन iv) धूमिल

75. मंगलेश डबराल किस काल की कविता से जुड़े हैं?
i) छायावाद ii) समकालीन कविता
iii) नई कविता iv) प्रयोगवाद

76. हिंदी का पहला उपन्यास किसे माना जाता है?

i) भाग्यवती ii) चंद्रकांता
iii) परीक्षा गुरु iv) नूतन ब्रह्मचारी

77. 'सिरकटी लाश' उपन्यास किसका है?
i) गोपाल राय ii) गोपालराम गहमरी
iii) मथुराप्रसाद शर्मा iv) गंगा प्रसादगुप्त

78. हिंदी उपन्यास सम्राट किसे कहा जाता है?
i) यशपाल ii) जयशंकर प्रसाद
iii) प्रेमचंद iv) अमृतलाल नागर

79. सूरदास के जीवन पर आधारित उपन्यास का नाम बताइए?
i) मानस का हंस ii) सेवासदन
iii) खंजन नयन iv) भाग्यवती

80. 'कफ़न' कहानी के कहानीकार कौन है?
i) जैनेंद्र ii) सुदर्शन
iii) प्रेमचंद iv) कमलेश्वर

81. इनमें से भीष्म साहनी की कहानी कौन-सी है?
i) चीफ़ की दावत ii) प्रतीक्षा
iii) मवाली iv) नीली झील

82. अमृतराय राय किस कहानी के प्रवर्तक है?
i) सक्रिय कहानी ii) अकहानी
iii) सहज कहानी iv) सचेतन कहानी

83. समांतर कहानी आंदोलन किसने चलाया?
i) महीप सिंह ii) कमलेश्वर
iii) दूधनाथ सिंह iv) अमरकांत

84. हिंदी का पहला नाटक किसे माना जाता है?
i) शकुंतला ii) रुक्मणी हरण
iii) चंडी चरित्र iv) नहुष

85) 'भारत दुर्दशा' किसका नाटक है?
i) भारतेन्दु ii) बालकृष्ण भट्ट
iii) राधाकृष्णदास iv) प्रतापनारायण मिश्र

86. इनमें से जयशंकर प्रसाद का नाटक कौन-सा है?
i) बाल विवाह ii) भारत सौभाग्य
iii) मालती माधव iv) चंन्द्रगुप्त

87. वृंदावनलाल वर्मा ने किस प्रकार के नाटक लिखे हैं?
i) सामाजिक ii) पौराणिक
iii) ऐतिहासिक iv) प्रतीकवादी

88. हिंदी के प्रथम निबंधकार कौन है?
i) आ. रामचंद्र शुक्ल ii) प्रेमघन
iii) बाबू तोताराम iv) भारतेन्दु

89. 'चिन्तामणि' किसका निबंध संग्रह है?
i) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी ii) आ. रामचंद्र शुक्ल
iii) सरदार पूर्णसिंह iv) मिश्रबन्धु

90. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' किसका प्रसिद्ध निबंध है?

i) डॉ. रामविलास शर्मा ii) रामधारीसिंह दिनकर
iii) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर iv) पं.विद्यानिवास मिश्र

91. इनमें से कौन ललित निबंधकार है?
i) कुबेरनाथ राय ii) धर्मवीर भारती
iii) ठाकुरप्रसाद सिंह iv) श्रीलाल शुक्ल

92. 'चीड़ों पर चाँदनी' यह किसका निबंध संग्रह है?
i) शिवप्रसाद सिंह ii) विष्णुकांत शास्त्री
iii) निर्मल वर्मा iv) विवेकी राय

93. हिंदी आलोचना का जनक किसे माना गया है?
i) आ. रामचंद्र शुक्ल ii) बालकृष्ण भट्ट
iii) भारतेन्दु iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी

94. तुलनात्मक आलोचना के जनक कौन है?
i) प्रेमघन ii) भारतेन्दु
iii) रामविलास शर्मा iv) पद्मसिंह शर्मा

95. हिंदी में वैज्ञानिक आलोचना का सूत्रपात किसने किया?
i) आ. रामचंद्र शुक्ल ii) महावीरप्रसाद द्विवेदी
iii) शिवदानसिंह चौहान iv) रामस्वरूप चतुर्वेदी

96. रीतिकाल की कविता को 'क्षयग्रस्त' किस आलोचक ने कहा है?
i) आ. शुक्ल ii) नंददुलारे वाजपेई
iii) निराला iv) डॉ. नगेन्द्र

97. 'सिंहावलोकन' किसकी आत्मकथा है?
i) सत्यदेव परिव्राजक ii) शांतिप्रिय द्विवेदी
iii) देवेंद्र सत्यार्थी iv) यशपाल

98. हिंदी में दलित आत्मकथा के सूत्रपात का श्रेय किसे जाता है?
i) मोहनदास नैमिशराय ii) ओमप्रकाश वाल्मीकि
iii) कौशल्या बैसंत्री iv) माताप्रसाद

99. 'कितने शहरों में कितनी बार' किसकी आत्मकथा है?
i) मैत्रेयी पुष्पा ii) रमणिका गुप्ता
iii) मन्नू भंडारी iv) ममता कालिया

100. 'आवारा मसीहा' जीवनी के लेखक कौन है?
i) विष्णु प्रभाकर ii) रामवृक्ष बेनीपुरी
iii) जैनेंद्र कुमार iv) कृष्ण बिहारी मिश्र

REFERENCE BOOKS : 1. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2 हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर।
4. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. पूरनचंद टंडन, डॉ. विनिता कुमारी, जगतराम एण्ड सन्स प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र और डॉ.हरदयाल (संपादक) नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
6. आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. नामवर सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8 नई कविता के प्रतिमान - लक्ष्मीकांत वर्मा, भारती प्रेस प्रकाशन, इलाहाबाद।
9 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Self study topics छात्र कविता कहानी आलोचना आत्मकथा जीवनी संस्मरण आदि के लेखन का स्वयं प्रयास कर सकते हैं ।

DETAILED SYLLABUS – SEMESTER VI
Post Independence Hindi Literature

PREAMBLE

तृतीय वर्ष में हिंदी पढ़ने के अर्थ है भाषा विशेष मे रूचि का होना यहाँ से विद्यार्थियों में हमारी संस्कृति और परंपरा के बारे में ज्ञान बढ़ता है और वह इसमें रुचि भी देने लगते हैं महाभारत तथा रामायण जैसे महाकाव्यों के बारे में आधुनिक संदर्भों से जोड़कर उनका ज्ञान वर्धन किया जाता है जिससे आने वाली पीढ़ी समझदार और तर्क शक्ति से पूर्ण हो विद्यार्थियों की बोलचाल की भाषा में परिवर्तन आता है और इसके साथ ही साथ वह अनेक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। जिससे उनकी क्षमता में बढ़ोतरी होती है नए लेखकों तथा कवियों के बारे उनकी जानकारी बढ़ने के साथ-साथ वह अनेक लेखकों की कहानियां और उनकी जीवनी पढ़ने में रुचि दिखाते हैं। हिंदी पढ़ने वाला विद्यार्थी भाषा के माध्यम से किसी भी क्षेत्र में प्रगति कर सकता है कारण भाषा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे लोगों को किसी भी बात के लिए मनाया जा सकता है। आज अनेक क्षेत्रों में हिंदी भाषा का प्रयोग हो रहा है और और हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थी आगे बढ़ रहे हैं। भाषा के साथ साथ विद्यार्थियों को कहानियों और कविताओं के माध्यम से राजनीति ,अर्थशास्त्र, दर्शन तथा मनोविज्ञान के बारे में भी जानकारी मिलती है ।साहित्य एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा अनेक विषयों को समेटा जा सकता है। इसके अंतर्गत ज्वलंत समस्याओं को लेकर अनेक प्रकार के उदाहरण पेश किए गए और पढ़ने वाला विद्यार्थी अपनी बात बेबाकी से रख सकता है।

Programme:.B.A.				**Semester: VI**	
PAPER V Post Independence Hindi Literature				**Course Code: BH.UAHIN-602**	
Teaching Scheme				**Evaluation Scheme (Theory)**	
Lecture (Periods per week)	**Practical (Periods per week per batch)**	**Tutorial (Periods per week per batch)**	**Credits (Theory +Practical)**	**Continuous Internal Assessment (CIA)**	**End Semester Examination (ESE)**
04	NA	NA	04	**(Marks - 40)**	**(Marks: 60)**

Course Objective

1) विद्यार्थियों को हिन्दी की आधुनिककालीन पद्य एवं गद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करना

2) दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन-शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना। आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराना

3) साहित्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण-चेतना को समृद्ध करना

4. काव्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का परिचय करते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ जीवन के क्षेत्र में काव्य की उपादेयता को समझाना

COURSE OUTCOMES : 1) विद्यार्थीयों को हिन्दी साहित्य के प्रकारों की व्यापक जानकारी प्राप्त हुई, साहित्य की अविरल धारा का परिचय प्राप्त हुआ। हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं में से हिंदी कविता और निबंध विधा का अर्थ, परिभाषा, भेद, और तत्वों को समझ कर हिंदी कविता और निबंध साहित्य के विकास से अवगत होते हुए कविता और निबंध का व्यापक और क्रमबद्ध ज्ञान प्राप्त हुआ

२.) विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि हुयी , कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत हुई तथा रचनात्मक-कौशल को बढ़ावा मिला ,

3)साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड़ सकें, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ़ सकें काव्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का परिचय करते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ जीवन के क्षेत्र में काव्य की उपादेयता को समझा ।

INDEX

Unit	Description	Periods
1	• कविता : अर्थ, परिभाषा, एवं स्वरूप (8L) • स्वातंत्र्योत्तर कविता : भाव, संवेदना और शिल्प (7L)	15
2	• निबंध : अर्थ, परिभाषा और तत्व, (8L) • निबंध : प्रकार तथा स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध साहित्य का विकास (7L)	15
3	निर्धारित पाठ्य पुस्तक- • काव्य-सौरभ (कविता-संग्रह)- संपादन : हिन्दी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई, प्रकाशन, नई दिल्ली। *पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ- (12 L)* • यात्री - सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' • उनको प्रणाम - नागार्जुन • समय की शिला पर - शम्भूनाथ सिंह	15

	• नया कवि - गिरिजाकुमार माथुर • प्रमथ्यु गाथा - धर्मवीर भारती • पानी में घिरे हुए लोग - केदारनाथ सिंह • सिलसिला - सुदामा पाण्डेय धूमिल • थोड़े-से बच्चे और बाक़ी बच्चे - चंद्रकांत देवताले • रात किसी का घर नहीं - राजेश जोशी • चुप्पी टूटेगी - ओमप्रकाश वाल्मीकि • बाज़ारे-नुमाइश में - दीक्षित दनकौरी • बूढ़ी पृथ्वी का दुख - निर्मला पुतुल Discussion 3 L	
4	निर्धारित पाठ्य पुस्तक- • निबंध-विविधा (निबंध-संग्रह)- संपादन : हिन्दी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, प्रकाशन प्रकाशन, नई दिल्ली। *पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित निबंध-* • विश्व-मंदिर - वियोगी हरि(2L) • मानस की धर्मभूमि - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (2L) • बाज़ार-दर्शन - जैनेन्द्र कुमार(2L) • पाप के चार हथियार - कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'(1L) • मनुष्य की सर्वोत्तम कृति-साहित्य - हजारिप्रसाद द्विवेदी(2L) • आँगन का पंछी - विद्यानिवास मिश्र(2L) • पाँत का आख़िरी आदमी - कुबेरनाथ राय(1L) • ओ वसंत तुम्हें मनुहारता कचनार - श्रीराम परिहार(1L) • मनुष्य और ठग - प्रेम जमेजय (1L) • रसायन और हमारा पर्यावरण - डॉ. एन. एल. रामनाथन (1L)	**15**

Text books - १) काव्य-सौरभ (कविता-संग्रह)- संपादन : हिन्दी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई, प्रकाशन, नई दिल्ली।

२)निबंध-विविधा (निबंध-संग्रह)- संपादन : हिन्दी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, प्रकाशन प्रकाशन, नई दिल्ली।

REFERENCE BOOKS : 1. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

2. साहित्यिक निबंध - गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार - ज्योतीश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. हिन्दी-निबंधकर - जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड संज, दिल्ली।
7. हिन्दी कविता का अतीत और वर्तमान - मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. स्त्री कविता पहचान और द्वंद्व - रेखा सेठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

Social Media

PREAMBLE

तृतीय वर्ष कला के पेपर IV सोशल मीडिया के माध्यम से विद्यार्थियों को जनसंचार,, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में हिन्दी के प्रयोग, प्रसार से अवगत कराते हुए हिन्दी के माध्यम से रोज़गार की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष लाना।**विद्यार्थी** जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में प्रयुक्त हिन्दी-देवनागरी लिपि के अध्ययन, प्रयोग से मीडिया, कोश निर्माण आदि क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे ।

भविष्य में विद्यार्थी सरकारी संस्थाओं में कार्य करेंगे उसके लिए उपयोगी सिद्ध होता है| सरकारी संस्थानों में पत्र व्यवहार तथा अनुवाद कार्य के लिए यह प्रश्न पत्र उपयोगी सिद्ध होगा और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में सहायता मिलेगी हिंदी मे रोजगार की ओर उन्मुख करने वाला पेपर है |

Programme:.B.A.				**Semester: VI**	
Social Media				**Course Code: BH.UAHIN 603**	
Teaching Scheme				**Evaluation Scheme (Theory)**	
Lecture (Periods per week)	**Practical (Periods per week per batch)**	**Tutorial (Periods per week per batch)**	**Credits (Theory +Practical)**	**Continuous Internal Assessment (CIA)**	**End Semester Examination (ESE)**
03	NA	NA	03	**(Marks - 40)**	**(Marks: 60)**

Course Objective

विद्यार्थियों को सोशल मीडिया में प्रयुक्त हिंदी भाषा की जानकारी देते हुए कार्यालयीन तथा अन्य व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी सोशल मीडिया में रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए हिंदीभाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करते हुए तकनीकी तौर पर लेखन कौशल का विकास कराना।

2. विद्यार्थियों को हिंदी तकनिकी क्षेत्र से परिचित कराना फेसबुक व्हाट्सएप ट्विटर मैसेंजर इंस्टाग्राम यूट्यूब आदि में हिंदी भाषा के प्रयोग का परिचय कराना।
3. विद्यार्थियों को व्यावसायिकरूप से सोशल मीडिया के विविध माध्यमों की क्षेत्र उपयोगिता से अवगत कराना।
4. विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के प्रचार और प्रसार मेंसोशल मीडिया की भूमिका से परिचित कराना।
5. विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा की जानकारी से अवगत कराना।

Course Outcomes::--

1. विद्यार्थियों को व्यावहारिक हिन्दी भाषा-दक्षता ,सोशल मीडिया में हिंदी के प्रयोग की प्रवीणता की प्राप्ति होगी।
2. विद्यार्थियों का व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भरता के योग्य बनेंगे।
3. विद्यार्थि जनसंचार माध्यमों में रोज़गार के अवसर, क्षेत्रों से अवगत होंगे।

INDEX

Unit	Description	Periods
1	• सोशल मीडिया का अर्थ, स्वरूप, प्रकार और विकास(4L) • सोशल मीडिया की उपलब्धियाँ, उपयोगिता और महत्व(4L) • सोशल मीडिया : समस्याएँ, चुनौतियाँ, सीमाएँ और संभावनाएँ(2L)	10
2	• सोशल मीडिया में हिन्दी एवं देवनागरी लिपि का प्रयोग और प्रसार, हिन्दी का बदलता रूप (फ़ेसबुक, व्हाट्सअप, ट्विटर, मैसेन्जर, इन्स्टाग्राम, एफ.एम.रेडियो, यूट्यूब)(4L) • सोशल मीडिया की शिक्षा के क्षेत्र में उपादेयता और संभावनाएँ (3L) • सोशल मीडिया : हिन्दी का प्रयोग और रोज़गार की संभावनाएँ(3L)	10
3	• सोशल मीडिया के प्रभाव (राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक-सांस्कृतिक, आर्थिक)(4L) • सोशल मीडिया और बदलता हुआ भारतीय परिवेश (बाल, युवाओं, महिलाओं और वृद्धों के संदर्भ में)(3L) • सोशल मीडिया और बदलते जीवन मूल्य (3L)	10
4	• सोशल मीडिया और क़ानून (4L) • सोशलमीडिया :भाषा, मुक्त अभिव्यक्ति(3L) • सोशल मीडिया कि वैश्विक व्याप्ति (3L) **प्रकल्प लेखन एवं प्रस्तुतीकरण** **Reference Books** 1. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद - संपादक: संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली। 2. नए ज़माने की पत्रकारिता - सौरभ शुक्ला, विस्डम विलेज पब्लिकेशन्स, गुड़गांव एवं दिल्ली। 4. उत्तरआधुनिक मीडिया तकनीक - हर्षदेव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता - कृष्ण कुमार रत्तू, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी। 6. कम्प्युटरी सूचना प्रणाली का विकास - राम बंसल,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग - डॉ.रामलखन मीणा, कल्पना पब्लिशर, दिल्ली।	10 5

		8. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया - मधुकर लेले, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली। 9. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग - विष्णु राजगढ़िया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 10. संचार माध्यम लेखन - गौरीशंकर रैना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 11. जनसंचार माध्यमों में हिंदी - चंद्रकुमार, क्लासिक पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली। 12. आधुनिक जनसंचार और हिंदी - डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली। 13. मीडिया समग्र - डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली	
Self study topics छात्र सोशल मीडिया के विविध माध्यम युटुब फेसबुक इंस्टाग्राम मैसेंजर ट्विटर आदि पर कहानी लेखन ,समाचार लेखन और विज्ञापन लेखन का स्वयं प्रयास कर सकते हैं।			

Modality of Assessment For sem VI Paper IV,V,V

Theory Examination Pattern:

A) Internal Assessment- 40%- 40 Marks

Sr No	Evaluation type	Marks
1	Internal Class Test with Objective type questions	20
	and Short Notes	
2	One Assignment	20
	TOTAL	**40**

(B) External Examination- 60%- 60 Marks Semester End Theory

Examination: 60 marks

3. Duration - These examinations shall be of **2 hours** duration.
4. Paper Pattern:There shall be **5** questions each of **12** marks. On each unit there will be 1 or 2 questions.

All questions shall be compulsory with internal choice within some questions.

Paper Pattern:For Paper IV,V&VI SEM VI

Question	Options	Marks	Based on Unit no.
Que 1	Any 1 Out Of 2	12	Unit 1
Que 2	Any 1 Out Of 2	12	Unit 2

Que 3	Any 1 Out Of 2	12	Unit 3
Que 4	Any 1 Out Of 2	12	Unit 4
Que 5	Any 2 Out Of 4	12	Unit 1,2,3,4
Total		60	

Rubric for Project Work CIA 2

कवि तथा लेखक का परिचय	भाषा शैली	रचनात्मक कृति का चुनाव	प्रस्तुतीकरण
05 अंक	05 अंक	05 अंक	05 अंक =20

Rubric for ESE

कवि तथा लेखक का परिचय	भाषा शैली	भावार्थ तथा लेखन	कुल
03 अंक	03 अंक	06 अंक	12 अंक